मुख्य खनिजों के सर्वेक्षण को गठित होगा एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून: प्रदेश में अब मुख्य खनिज यानी सोना, चांदी लेड आदि के सर्वेक्षण को स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। यह ट्रस्ट अन्य एजेंसियों की मदद से इन खनिजों की खोज करेगा। ट्रस्ट के संचालन को खनन से मिलने वाली रायल्टी का एक निश्चित प्रतिशत दिया जाएगा। यह राशि वार्षिक 40 करोड़ तक हो सकती है। इसके लिए भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई ने प्रस्ताव शासन को भेज दिया है।

उत्तराखंड में मुख्य खनिज एवं उप खनिज प्रचुर मात्रा में हैं। मुख्य खनिज के रूप में यहां मैग्नेसाइट, लाइम स्टोन व बेसमेंटल की चट्टान हैं तो वहीं उप खनिज के रूप में सोपस्टोन, सिलिका सैंड, बैराइट आदि और नदी तल से मिलने वाली बालू, बजरी व बोल्डर शामिल हैं। प्रदेश में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग खनन का कार्य करता है। यह विभाग राज्य को राजस्व देने वाले प्रमुख विभागों में है। गत वर्ष विभाग ने सरकार को लगभग एक हजार करोड़ से अधिक का राजस्व दिया था। यह राजस्व मुख्य रूप से नदियों से होने वाले खनन और खड़िया खनन से प्राप्त हुआ है। अब विभाग नए क्षेत्रों में खनन के माध्यम से राजस्व जुटाने की योजना बना रहा है। इसी के अंतर्गत पिथौरागढ़ के अस्कोट में सोना व चांदी और उत्तरकाशी में सिलिका खनन की योजना पर काम किया जा रहा है। कुछ समय पूर्व खनन विभाग ने इसके लिए आइआइटी रुड़की से करार भी किया था। साथ ही आस्ट्रेलिया की एक कंपनी के माध्यम से भी इस पर कार्य करने की योजना चल रही है। इसे अमली जामा पहनाने के लिए केंद्र की तर्ज पर स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया गया है। इसमें ट्रस्ट के सदस्य और इसके कार्यों की जानकारी दी गई है। शासन में इस पर अध्ययन हो रहा है। निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म राजपाल लेघा ने बताया कि केंद्र की तर्ज पर राज्य में भी ऐसे ट्रस्ट का गठन किया जा रहा है।